

अयोध्या ही नहीं बल्कि भारत के इन जगहों पर भी हैं फेमस राम मंदिर

उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। ऐसे में अयोध्या श्रीराम की जन्मभूमि होने के कारण वहां पर एक विशाल भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। बता दें कि अयोध्या के अलावा भारत के अन्य हिस्सों में कई राम मंदिर मौजूद हैं।

अनन्या मिश्रा

उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। ऐसे में अयोध्या श्रीराम की जन्मभूमि होने के कारण वहां पर एक विशाल भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। बता दें कि अयोध्या के अलावा भारत के अन्य हिस्सों में कई राम मंदिर मौजूद हैं।

भगवान श्रीहरि विष्णु इस जगत के पालनहार हैं। श्रीहरि ने धर्म की स्थापना और अधर्म के नाश के लिए कई बार धरती पर अवतार लिया। वहीं भगवान विष्णु के अवतार माने जाने वाले अयोध्यापति श्रीराम को लोग अपने भगवान व आराध्य के तौर पर पूजते हैं। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। ऐसे में अयोध्या श्रीराम की जन्मभूमि होने के कारण वहां पर एक विशाल भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है।

ऐसे में अगले साल तक मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद साल 2024 में मकर संक्रांति के दिन श्रीराम लला की फिर से स्थापना की जाएगी। ऐसे में धार्मिक स्थल होने के कारण राम जन्मभूमि के दर्शन के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। अयोध्या में मौजूद राम मंदिर के बारे में तो हर कोई जानता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अयोध्या के अलावा भारत के अन्य हिस्सों में कई राम मंदिर मौजूद हैं। कहा जाता है इन मंदिरों में पूजन-दर्शन से व्यक्ति की हर मनोकामना पूरी होती है। आइए जानते हैं प्रभु श्रीराम को समर्पित इन मंदिरों के बारे में...

केरल का त्रिप्रायर मंदिर

केरल के त्रिशूर जिले में स्थित त्रिप्रायर मंदिर में भगवान श्री कृष्ण ने श्रीराम की मूर्ति को स्थापित किया था। बाद में केरल के चेट्टुवा क्षेत्र में रहने वाले मछुआरे द्वारा इसको स्थापित किया गया। उसके बाद इस मूर्ति को वक्काथिल कैमल ने त्रिप्रायर में स्थापित किया। मान्यता के मुताबिक इस मंदिर में आने वाले भक्तों को बुरी आत्माओं से मुक्ति मिलती है।

नासिक का कालाराम मंदिर

महाराष्ट्र में नासिक के पंचवटी में भगवान श्रीराम को समर्पित कालाराम मंदिर स्थित है। इस मंदिर में श्रीराम की काले रंग की 2 फीट लंबी प्रतिमा मौजूद है। बताया जाता है कि 14 वर्ष के वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता और भ्राता लक्ष्मण के साथ पंचवटी में रुके थे। कालाराम मंदिर का निर्माण सरदार रंगारू ओटेकर ने करवाया था। सरदार रंगारू ओटेकर ने एक रात गोदावरी नदी में श्री राम की एक काली मूर्ति होने का सपना देखा था। इसके बाद उन्होंने नदी से मूर्ति निकलवाकर मंदिर में स्थापित किया था।

तेलंगाना का सीता रामचंद्रस्वामी मंदिर

तेलंगाना के भद्रादी कोठागुडम के भद्राचलम में सीता रामचंद्रस्वामी मंदिर स्थित है। मान्यता के अनुसार, लंका से माता सीता को वापस लाने के लिए भगवान श्रीराम ने गोदावरी नदी को पार किया था।



सीता रामचंद्रस्वामी मंदिर में श्रीराम के धनुष बाण के साथ त्रिभंगा रूप में स्थापित हैं।

एमपी का रामराजा मंदिर

मध्य प्रदेश के ओरछा में राम मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। यह ओरछा का इकलौता ऐसा मंदिर है, जहां पर श्रीराम की पूजा भगवान के तौर पर नहीं बल्कि राजा राम के तौर पर की जाती है। ओरछा के राजा राम को रोजाना गार्ड ऑफ ऑनर देकर शस्त्र सलामी दी जाती है।

तमिलनाडू का रामास्वामी मंदिर

बता दें कि तमिलनाडू का रामास्वामी मंदिर को दक्षिण भारत का अयोध्या कहा जाता है। यह दक्षिण भारत का एक ऐसा इकलौता मंदिर है। इस मंदिर में भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण और भरत शत्रुघ्न की मूर्तियां स्थापित हैं।

पश्चिम भी स्वीकार रहा है कि सुख-दुःख वास्तव में भौतिक संसाधनों पर निर्भर नहीं करते

शिवेश प्रताप

आज पश्चिमी मनोविज्ञान इस स्थिति में पहुंचा जहाँ दबे स्वर में स्वीकारा जा रहा कि सुख-दुःख वास्तव में भौतिक संसाधनों पर निर्भर नहीं करते। सुख-दुःख मनुष्य की अनुभूति के ही परिणाम हैं, उसकी मान्यता, कल्पना एवं अनुभूति विशेष के ही रूप में सुख-दुख का स्वरूप बनता है।

रामचरितमानस एक ओर राम का जीवन चरित्र व मनुष्य जाति के अनुभवों का उत्कट निचोड़ है तो दूसरी ओर यह 'नाना पुराण निगमागम सम्मतं यद्' होकर सनातन धर्म के सभी मानक ग्रंथों के अर्क स्वरूप भी है, जिसे मानस के अंत में 'हछो शास्त्र सब ग्रन्थन को रस' कह कर दोबारा पुष्ट कर दिया गया है। मनुष्य से पुरुषोत्तम बनकर यानि मृत्यु से अमरत्व की ओर बढ़ने की यात्रा के पथ प्रदर्शक श्रीराम हैं। अपने भीतर छिपी संभावना और सुख-शांति की अभीप्सा को पूरा कर सकने की आकांक्षा के बीच, रामचरितमानस में राम इस मार्ग का संकेत हैं कि मनुष्य के स्वरूप को चरितार्थ करने और उससे ऊपर उठने और अपने भीतर निहित संभावनाओं को साकार करने का कोई लघुमार्ग (शॉर्टकट) नहीं है।

पारिवारिक, सामाजिक और लौकिक जीवन के कर्तव्य परायणता में अपने आपचरण और व्यवहार से जो मानक स्थापित किए, उन मानकों में यह संभावना हमेशा निहित रही कि व्यक्ति का व्यवहार, परिस्थिति के अनुसार भले बदलता रहे, लेकिन उसका अंतरंग स्थिर रहे। मानव उन्हीं मूल्यों का प्रतिनिधित्व करे जो शाश्वत हो, जो मनुष्य और समाज के लिए हमेशा उपयोगी और ऊंचा उठाने वाले हों। उदाहरण के लिए परिवार को ही ले, राम में परिवार के अनुशासन, सबके प्रति विश्वास, एक-दूसरे के सुखों और इच्छाओं का निर्वाह और उनके लिए त्याग की भावना का महत्व रहा है। इन मूल्यों का निर्वाह रामचरित के हर प्रसंग में होता दिखाई देता है। क्षण भर में राजमुकुट धारण कर राजा राम बनने वाले अनूप आचरण और बनने हेतु बलकल वस्त्र पहन लेते हैं और पिता के वचनों एवं माता कैकेयी के प्राप्त वरदान हेतु वन जाने हेतु निकल जाते हैं।

व्यक्तिगत जीवन में राम ने एक ओर मर्यादाओं की



प्रतिष्ठा की तो दूसरी ओर उन्होंने जहां जरूरी समझा, वहां मान्यताओं में दखल भी दिया। शर्पणखा का अंग-भंग, अहिल्या को पुनर्जीवन और प्रतिष्ठा, एक पत्नीव्रत, बाली उद्धार, शबरी उद्धार, विभीषण को लंका का राज दे देना आदि कई प्रसंग हैं, जिनमें वह परंपरा से हटकर काम करते हैं। यह सब करते हुए वह धर्म-मर्यादा की स्थापना ही कर रहे होते हैं क्योंकि मर्यादा की स्थापना ही धर्म की शाश्वतता को बनाये रखती है। यदि यज्ञाग्नि भी मर्यादा का उल्लंघन करे तो उसे जल के द्वारा निर्यंत्रित करने का विधान धर्म का ही है। यदि इन कामों को पारिवारिक और सांस्थानिक रचनाओं के भरोसे छोड़ा जाता तो संभवतः पंचायतें, न्यायालय, दंडाधिकारी और समितियों को उन नतीजों पर पहुंचने में वर्षों लग जाते और न्याय की प्रक्रिया संपन्न होते-होते वह अर्थहीन व अनुपयोगी हो जाते।

टूटते संयुक्त परिवारों का सहारा है राम परिवार

इन दिनों परिवार का ढांचा बदल रहा है, संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। कई जगह तो नौकरी के कारण पति-पत्नी और बच्चों के लिए भी अलग तरह से सोचना और व्यवस्था बनानी पड़ रही है। ऐसे में जब कि ज्ञान परम्परा का एक पीढ़ी से दूसरी में प्रवाह बाधित हो गया है तो राम का चरित्र, मूल्य, व्यवहार और आदर्शों की यशोगाथा को समेटे श्री रामचरितमानस/रामायण जीवन का सविधान बन सकता है। आज के बड़े-बड़े फैमिली सलाहकार अपनी सलाह में परिवारों में यही अंतिम सत्य बताते हैं कि परिवार वह इकाई है जहाँ आप तर्कों और जय-पराजय से समाधान नहीं पा सकते अपितु त्याग के द्वारा कर्तव्य पालन करके ही सुख प्राप्त कर सकेंगे। यह मान्यता भारत में त्रेतायुग में

प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए खतरनाक हो सकते हैं 3 फूट्स !तुरंत बना लें दूरी, वरना सेहत को होगा गंभीर नुकसान

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है. प्रेग्नेंसी एक ऐसा पीरियड होता है, जिसमें महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं और उन्हें कई तरह के इंफेक्शन का खतरा ज्यादा होता है. प्रेग्नेंसी के दौरान सही डाइट लेना बेहद जरूरी होता है और जंक फूड्स से दूरी बनाने की जरूरत होती है. एक्सपर्ट गर्भवती महिलाओं को अलग-अलग समय पर अपने खान-पान में कुछ बदलाव करने की सलाह देते हैं. दरअसल गर्भ में पल रहे बच्चे को सही पोषक तत्वों की जरूरत होती है, ताकि उसका विकास सामान्य तरीके से हो. अगर प्रेग्नेंसी के दौरान गर्भवती महिलाएं सही डाइट नहीं लेंगी, तो उसका असर गर्भ में पल रहे बच्चे की ग्रोथ पर होगा. इसी से जुड़ी कुछ जरूरी बातें डॉक्टरों से जान लेते हैं.

इस बारे में दिल्ली के फोर्टिस ला फेम हॉस्पिटल के ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गाइनेकोलॉजी डिपार्टमेंट की सीनियर कंसल्टेंट डॉ. सुप्रिया कहती हैं कि प्रेग्नेंट महिलाओं को अपने खानपान का खास ध्यान रखना चाहिए. पहले तीन महीने में पपीता, अनासून और एवाकाडो जैसे फूट्स का सेवन नहीं करना चाहिए. ऐसा करने से उनकी सेहत और गर्भ में पल रहे बच्चे को नुकसान हो सकता है. प्रेग्नेंसी के तीन महीने के बाद महिलाओं को पौष्टिक आहार लेना चाहिए, जिससे उन्हें अधिक मात्रा में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, विटामिन और मिनरल्स मिलें. महिलाओं को दूध, दही, पनीर, फ्रूट, हरी सब्जियां, दालें, सोया, टोफू अधिक मात्रा में लेना चाहिए. इसके अलावा नॉन वेज खाने वाली महिलाओं को अंडा, फिश, चिकन का हफ्ते में दो दिन सेवन करना चाहिए. इससे प्रेग्नेंसी और उसके बाद भी महिला और शिशु स्वस्थ रहेंगे.

प्रेग्नेंट महिलाओं की लाइफस्टाइल और सावधानियों को लेकर फोर्टिस ला फेम हॉस्पिटल के ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गाइनेकोलॉजी डिपार्टमेंट की एडिशनल डायरेक्टर डॉ. जूही जैन कहती हैं कि प्रेग्नेंट होना महिलाओं के लिए प्रकृति का सबसे सुखद अहसास है और इसे महसूस करना चाहिए. गर्भवती महिलाएं प्रेग्नेंसी के दौरान घर का बना ताजा खाना खाएं और प्रोटीन, हरी सब्जियां और फलों का सेवन जरूर करें. फास्ट फूड, जंक फूड और बाहर के खाने से दूर रहें. दिनभर एक्टिव रहें और ज्यादा से ज्यादा टहलें. प्रेग्नेंसी के चार महीने बाद महिलाएं योग कर सकती हैं. डॉक्टर की सलाह पर ब्लड, यूरिन टेस्ट और अल्ट्रासाउंड करवाएं. ब्लड प्रेशर लगातार चेक करवाते रहें. प्रेग्नेंट महिलाएं जरूरी वैक्सिन अवश्य लगवाएं. फोलिक एसिड की गोली प्रेग्नेंसी के पहले तीन महीने में लेना जरूरी है. अच्छे हॉस्पिटल में डिलीवरी करवाएं और डॉक्टर के संपर्क में रहें.



संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले नीलम-अमोल के बारे में दिल्ली पुलिस ने जारी किया अपडेट

परिवहन विशेष न्यूज

संसद भवन की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें एक महिला नीलम है, बाकी अमोल, मनोरंजन और सागर हैं। पुलिस ने बताया कि नीलम और अमोल संसद के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। मनोरंजन और सागर लोकसभा सदन में घुस गए थे जिनमें से एक ने पीले रंग का गैस कनस्तर का उपयोग किया था।

नई दिल्ली। संसद भवन की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें एक महिला नीलम है, बाकी अमोल, मनोरंजन और सागर हैं। पुलिस ने बताया कि नीलम और अमोल संसद के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। मनोरंजन और सागर लोकसभा सदन में घुस गए थे, जिनमें से एक ने पीले रंग का गैस कनस्तर

का उपयोग किया था और सदन को धुआं-धुआं कर दिया था।

पुलिस सभी को उठाकर संसद मार्ग थाना ले आई है। नीलम और अमोल संसद के बाहर पीला धुआं छोड़ने वाले गैस कनस्तर के साथ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। वहीं बाकी दोनों लोग सदन में घुस गए थे। दोनों को सांसदों ने पकड़ लिया था और सुरक्षा कर्मियों के हवाले कर दिया था। पुलिस पता लगा रही है कि क्या दोनों घटनाएं एक साथ जुड़ी हुई हैं।

परिवहन भवन के पास से हिरासत में लिए दोनों

दिल्ली पुलिस ने बताया कि नीलम और अमोल को परिवहन भवन (Transport Bhawan) के सामने से हिरासत में लिया गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि उनके पास मोबाइल फोन या कोई अन्य पहचान पत्र नहीं था। उन्होंने बताया कि दोनों शख्स कूदते-फांदते स्पीकर की ओर बढ़ रहे थे। फिर सदन के बीच में से पहुंचकर एक शख्स ने जूते में कुछ चीज निकालकर संसद को धुआं-धुआं कर दिया। यह धुआं पीले रंग का था। इस दौरान सदन में मौजूद सांसदों ने उसे पकड़ लिया और सुरक्षा



संसद भवन में लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दो शख्स अचानक सदन में कूद गए। इस दौरान भाजपा सांसद खगेन मुर्मू अपनी बात रख रहे थे। इसी दौरान दोनों शख्स कूदते-फांदते स्पीकर की ओर बढ़ रहे थे। फिर सदन के बीच में से पहुंचकर एक शख्स ने जूते में कुछ चीज निकालकर संसद को धुआं-धुआं कर दिया। यह धुआं पीले रंग का था। इस दौरान सदन में मौजूद सांसदों ने उसे पकड़ लिया और सुरक्षा

कर्मियों के हवाले कर दिया। सदन में चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल था।

अब तक छह लोग गिरफ्तार

संसद भवन की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में अभी तक दिल्ली पुलिस छह लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें अमोल, नीलम, मनोरंजन, सागर हैं, जिन्हें संसद भवन परिसर से गिरफ्तार किया गया है। वहीं, विक्की शर्मा और उसकी पत्नी वृंदा को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। इन्हीं

दोनों के यहां घर पर चारों आरोपी ठहरे थे। मामले में सातवें आरोपी की तलाश जारी है, जो ललित झा है।

पुलिस ने बताया कि सभी लोगों की महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर आपस में जान-पहचान हुई थी। सभी लोग फेसबुक पर आपस में जुड़े थे। दिल्ली पुलिस गुरुग्राम से विक्की और उसकी पत्नी को ले गई है। इन्हीं के पास चारों लोग दो दिन तक ठहरे थे।

वो कौन सी 'वजह' थी जिस कारण सभी आरोपी आए एक साथ, फेसबुक के जरिए आपस में हुई जान-पहचान

संसद भवन के अंदर और बाहर कलर स्मोक फ्रैकर चला नारेबाजी व हंगामा करने वालों के बारे में दिल्ली पुलिस (Delhi Police) को नई जानकारी मिली है। पुलिस ने बताया कि चारों आरोपी ललित झा के साथ गुरुग्राम में विक्की के घर पर रुके थे। सभी आरोपी फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए एक-दूसरे से जुड़े हुए थे।

नई दिल्ली। संसद भवन के अंदर व बाहर कलर स्मोक फ्रैकर चला नारेबाजी व हंगामा करने वालों के बारे में दिल्ली पुलिस को नई जानकारी मिली है। पुलिस ने बताया कि चारों आरोपी ललित झा के साथ गुरुग्राम में विक्की के घर पर रुके थे। सभी आरोपी फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए एक-दूसरे से जुड़े हुए थे। सभी बेरोजगारी के मुद्दे पर आपस में जुड़े थे।

मुद्दों पर बातचीत करने के लिए उन्होंने एक वॉट्सऐप ग्रुप बनाया था, जिसमें सभी आपस में बात करते थे। ग्रुप में शामिल कई सदस्य कामन फ्रेंड जरूर हैं लेकिन संसद व अंदर व बाहर हंगामा करने व कराने की साजिश में सभी के शामिल होने की बात अब तक सामने नहीं आई है। दिल्ली पुलिस

समेत सभी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। साजिश में जिसकी भी संलिप्तता पाई जाएगी, उसे मुकदमे में आरोपित बनाया जाएगा।

ये हैं सभी आरोपी

दिल्ली पुलिस छह लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें अमोल, नीलम, मनोरंजन, सागर हैं, जिन्हें संसद भवन परिसर से गिरफ्तार किया गया है। वहीं, विक्की शर्मा और उसकी पत्नी वृंदा को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। इन्हीं दोनों के यहां घर पर चारों आरोपी ठहरे थे। मामले में सातवें आरोपी की तलाश जारी है, जो ललित झा है।

पुलिस ने बताया कि सभी लोगों की महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर आपस में जान-पहचान हुई थी। सभी लोग फेसबुक में आपस में जुड़े थे। दिल्ली पुलिस गुरुग्राम से विक्की और उसकी पत्नी को ले गई है। इन्हीं के पास चारों लोग दो दिन तक ठहरे थे।

विक्की गुरुग्राम का रहने वाला

विक्की हिसार का रहने वाला था, जो काफी समय से गुरुग्राम में रह रहा था। विक्की को गुरुग्राम के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में वर्ष 1990 में जगह अर्जेंट हुई थी, उसी वक्त उन्होंने यह मकान लिया था।

बताया जा रहा है कि विक्की की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। विक्की की एक छोटी बेटी है। बताया जाता है की ललित झा भी यहीं पर आया था।

पुलिस ने बताया कि सातवां आरोपी ललित झा भागा हुआ है। ट्रांसपोर्ट भवन के पास जब नीलम और अमोल फ्रैकर चला रहे थे, तब ललित झा भी मौके पर था। उसी ने वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड किया था।

सभी लोग पढ़े लिखे, लेकिन ते बेरोजगार

लातूर (महाराष्ट्र) का रहने वाले अमोल के इंस्टाग्राम की फॉलोअर्स लिस्ट में सागर शर्मा जुड़ा हुआ है। अमोल दौड़ लगाता था और भारतीय सेना में भर्ती होने की कोशिश कर रहा था। ललित सरकार के खिलाफ प्रोटेस्ट में भाग लेता रहता था। मनोरंजन मैसूर (कर्नाटक) का रहने वाला है, बीटेक कर रहा था।

सागर आलमबाग (लखनऊ) का रहने वाला



है। वह बैटरी रिक्षा चलाता था। उसके पिता कारपेंटर हैं। उसकी मां ने दावा किया कि दिल्ली में धरना प्रदर्शन में भाग लेने के बहाने वह घर से दिल्ली के लिए निकला था। तीन दिन पहले वह दिल्ली आया था।

नीलम भी बेरोजगार है। वह धरना प्रदर्शन में भाग लेती रहती है। संसद के बाहर से पकड़ी गई नीलम के छोटे भाई ने कहा, '... हमें इस बारे में जानकारी नहीं थी कि वह दिल्ली गई है। हमें जानकारी थी कि वह अपनी पढ़ाई के लिए हिसार में

है... वह सोमवार हमसे मिलने आई थी और कल लौटी है। वह BA, MA, B.Ed, M.Ed, CTET, M.Phil और NET उत्तीर्ण किया है। उन्होंने कई बार बेरोजगारी का मुद्दा उठाया था और किसानों के विरोध प्रदर्शन में भी भाग लिया था...।'

संसद भवन में थे पांच आरोपी

सागर शर्मा और मनोरंजन दोनों भाजपा के मैसूर के सांसद प्रताप सिन्हा के नाम से जारी विजिटर पास के जरिये संसद भवन के अंदर दाखिल हुए थे। दोनों को संसद में चल रहे सत्र की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से कूदकर नारेबाजी करने व कलर स्मोक फ्रैकर छोड़ने के दौरान भी सांसदों ने दबोच लिया था। उसके बाद उसकी जमकर पिटाई कर सुरक्षा कर्मियों को सौंप दिया गया।

उधर नीलम व अमोल शिंदे ने दोपहर एक बजे जब संसद भवन से कुछ दूर ट्रांसपोर्ट भवन के पास कलर स्मोक फ्रैकर चलाया हुए नारेबाजी शुरू तब पुलिसकर्मियों ने दोनों को तुरंत दबोच लिया। उस दौरान मौके पर ललित झा भी था। उसने वीडियो बनाकर तुरंत इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया था और मौके से भागने में सफल हो गया था।

कौन हैं वो लोग, जिन्होंने संसद में किया धुआं-धुआं, चार आरोपियों में एक महिला भी शामिल; इन राज्यों से है कनेक्शन



22 साल पहले 13 दिसंबर के ही के दिन हुआ था संसद पर हमला, गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा था भवन

संसद की सुरक्षा में यह उस दिन दिन हुई है जब लोकतंत्र के मंदिर पर आतंकी हमले की 22वीं बरसी है। 22 साल पहले आज ही के दिन यानी 13 दिसंबर 2001 को संसद पर आतंकी हमला हुआ था जिसमें सुरक्षाकर्मियों समेत नौ लोग मारे गए थे और 18 लोग घायल हुए थे। आखिर उस खौफनाक दिन क्या हुआ था?

नई दिल्ली। देश के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले संसद भवन में आज सुरक्षा में चूक की दो घटनाएं घटीं। पहली- संसद के बाहर दो लोगों के प्रदर्शन करने और दूसरी- लोकसभा में कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा में बैठे दो लोग सदन के बीच में कूदने की। जब दो संदिग्ध सदन में कूदे तो सदन में कुछ धुआं सा उठा। हालांकि, दोनों ही घटनाओं के संदिग्धों को सुरक्षाकर्मियों ने हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है। संसद की सुरक्षा में यह उस दिन हुई है, जब लोकतंत्र के मंदिर पर आतंकी हमले की 22वीं बरसी है। 22 साल पहले आज ही के दिन यानी 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर आतंकी हमला हुआ था, जिसमें सुरक्षाकर्मियों समेत नौ लोग मारे गए थे और 18 लोग घायल हुए थे। बस गनीमत ये रही कि कोई सांसद इनका निशाना नहीं बना। 13 दिसंबर 2001 का दिन था। संसद में शीतकालीन सत्र चल रहा था। महिला आरक्षण विधेयक पर बहस के दौरान हंगामे के चलते सुबह 11:02 बजे लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। इस कारण उस वक्त के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और विपक्ष की नेता सोनिया गांधी समेत कई मंत्री संसद भवन से जा चुके थे, लेकिन उस वक्त के देश के गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी, प्रमोद महाजन, कई मंत्री, सांसद और पत्रकार समेत 100 से ज्यादा वीआईपी संसद भवन के भीतर मौजूद थे। घड़ी में करीब 11:30 बज रहे थे। उपराष्ट्रपति कृष्णाकंत के सिक्कोरिटी गार्ड उनके बाहर आने का इंतजार कर रहे थे। तभी गृह मंत्रालय का फर्जी स्टीकर लगाए एक सफेद रंग की एंबेसडर कार गेट नंबर-12 से संसद भवन में घुस आई।

नई दिल्ली। देश की सबसे सुरक्षित जगह मानी जाने वाली नई संसद भवन की सुरक्षा में आज बड़ी चूक हुई। यहां दो युवक लोकसभा के अंदर सांसदों के बीच में दर्शक दीर्घा से उस वक्त कूद गए जब सदन की कार्यवाही जारी थी।

इनमें से एक युवक पीछे से कूदते-फांदते हुए सांसदों के बीच जा पहुंचा और जूते से स्प्रें निकालकर पूरे सदन को धुआं-धुआं कर दिया। अब इन लोगों की पहचान सामने आई है।

इन राज्यों से है कनेक्शन

नीलम- जींद, हरियाणा

अनमोल शिंदे- लातूर, महाराष्ट्र

सागर शर्मा- लखनऊ, यूपी

मनोरंजन- मैसूर, कर्नाटक

संसद को धुआं-धुआं करने वाले का नाम आया सामने

लोकसभा के अंदर कलर फ्रैकर लेकर पहुंचने शख्स का नाम सागर शर्मा बताया जा रहा है।

थी। इसके बाद भी सुरक्षा में चूक हुई। आखिर संसद की सुरक्षा की व्यवस्था किस तरह है? आइए इस बारे में जानते हैं।

2001 में संसद भवन पर जैश ए मोहम्मद के आतंकियों द्वारा हमले के बाद संसद भवन की सुरक्षा में बदलाव कर दिया गया था। पहले संसद भवन के गेट पर और अंदर भी दिल्ली पुलिस और अन्य पैरामिलिट्री के जवानों को ड्यूटी रहती थी। किंतु उस घटना के बाद संसद भवन की सुरक्षा के लिए अलग से जवानों की भर्ती की गई।

नई दिल्ली। संसद भवन में बुधवार को दो लोग सुरक्षा घेरे को तोड़ते हुए संसद सदस्य के बीच पहुंच गए। आरोपियों ने टियर गैस कनस्तर का छिड़काव किया। हालांकि इससे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इसने सुरक्षा पर एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है। सबसे बड़ी बात है कि 2001 में संसद पर हमले को आज बरसी भी

है। इसके बाद भी सुरक्षा में चूक हुई। आखिर संसद की सुरक्षा की व्यवस्था किस तरह है? आइए इस बारे में जानते हैं।

2001 में संसद भवन पर जैश ए मोहम्मद के आतंकियों द्वारा हमले के बाद संसद भवन की सुरक्षा में बदलाव कर दिया गया था। पहले संसद भवन के गेट पर और अंदर भी दिल्ली पुलिस और अन्य पैरामिलिट्री के जवानों को ड्यूटी रहती थी। किंतु उस घटना के बाद संसद भवन की सुरक्षा के लिए अलग से जवानों की भर्ती की गई।

वहीं संसद भवन के अंदर जाने वाले लोगों की सुरक्षा जांच की सारी जिम्मेदारी पार्लियामेंट्री सिक्कोरिटी फोर्स के जिम्मे ही होती है।

तीन स्तरों पर होती है संसद की सुरक्षा व्यवस्था

संसद की सुरक्षा में जो बदलाव किए गए हैं, उसमें तीन स्तर बनाए

होता है। बता दें, पार्लियामेंट्री सिक्कोरिटी सर्विस विशेषकर राज्यसभा और लोकसभा के लिए होता है। इसका काम आम लोगों और पत्रकारों की जांच करना और उन्हें निर्यंत्रित करना है।

दूसरा स्तर पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप का होता है। वहीं तीसरा स्तर पार्लियामेंट्री सिक्कोरिटी सर्विस का

होता है। बता दें, पार्लियामेंट्री सिक्कोरिटी सर्विस विशेषकर राज्यसभा और लोकसभा के लिए होता है। इसका काम आम लोगों और पत्रकारों की जांच करना और उन्हें निर्यंत्रित करना है।

दूसरा स्तर पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप का होता है। वहीं तीसरा स्तर पार्लियामेंट्री सिक्कोरिटी सर्विस का

जांच की जाती है। संदिग्ध वस्तुओं की जांच तो दिल्ली पुलिस करती है, लेकिन बाद में ये भी उसकी जांच पुनः करते हैं। वहीं पार्लियामेंट्री ड्यूटी ग्रुप संसद परिसर के अंदर की गतिविधियों पर नजर बनाए रखते हैं।

घुसपैठियों के लिए थर्मल इमेजिंग सिस्टम

बात दें, इसी साल नई संसद का उद्घाटन हुआ है। इसी हिसाब से इसमें सुरक्षा के नवीनतम इंतजाम किए गए थे। घुसपैठियों को रोकने के लिए थर्मल इमेजिंग सिस्टम लगाया गया था। यह सिस्टम दूर से ही संदिग्ध की पहचान कर लेता है। इसके अलावा किसी भी तरह की अनहोनी से निपटने के लिए एक मजबूत फायर अलार्म सिस्टम भी स्थापित किया गया है। कुल मिलाकर संसद की सुरक्षा पूरी तरह चाक-चौबंद रखी गई है।

अस्पताल परिसर में एक कुत्ते का आतंक, 10 लोगों को काटा; डॉक्टर से लेकर BJP नेता तक हो चुके हैं शिकार

गाजियाबाद के संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल परिसर में एक काले रंग के कुत्ते का जबरदस्त आतंक है। इससे चिकित्सक स्वास्थ्यकर्मी और मरीज परेशान हैं। यह कुत्ता विगत दो महीने में एक चिकित्सक समेत 10 लोगों को काट चुका है। कुत्ते ने डॉ. राहुल कुमार के पैर में गहरा घाव कर दिया था। वहीं इसने भाजपा नेता प्रदीप को भी काटकर घायल कर दिया था।

गाजियाबाद |जिले के संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल परिसर में एक काले रंग के कुत्ते का जबरदस्त आतंक है। इससे चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी और मरीज परेशान हैं। यह कुत्ता विगत दो महीने में एक चिकित्सक समेत 10 लोगों को काट चुका है। कुत्ते ने डॉ. राहुल कुमार के पैर में गहरा घाव कर दिया था। बीस दिन तक चल नहीं पाए थे। सीएमएस के अलावा सीएमओ इस कुत्ते को पकड़वाने को नग्रायुक्त को कई पत्रलिख चुके हैं। सोमवार को इस कुत्ते ने ओटी टेक्नीशियन जयश्री नागर को पीछे से वार करते हुए पैर पर काट लिया था। वह मोटी जींस पहने हुए था, लेकिन फिर भी उसके पैर में गहरा घाव हो गया। वह तुरंत एंटी रेबीज वैक्सीन क्लीनिक पर पहुंचा और वैक्सीन लगवाई। भाजपा नेता प्रदीप को भी इसी कुत्ते ने काटकर घायल कर दिया था। इसके अलावा गोविंदपुरम, रहिसपुर सदरपुर, मोरटा



,संजयनगर, रजापुर, शास्त्री नगर, प्रताप नगर, विजयनगर, लाल कुआं, अर्थला, मोहननगर, करहेड़ा और राजनगर जैसे पास इलाके में भी आवारा कुत्तों का आतंक तेजी से बढ़ रहा है।

दिनदहाड़े युवक को बदमाशों ने किया किडनैप, कार से कूदकर पीड़ित ने बचाई जान
बुधवार को बिसोखर रोड पर दिनदहाड़े युवक अचल सिंहल (24) का बदमाशों ने अपहरण कर लिया। तीन बदमाशों ने युवक को जबरन कार की डिक्की में बंद कर दिया। इस दौरान आरोपितों ने पिस्टल की बट से वार भी किया। पीड़ित के मुताबिक आरोपितों ने डिक्की बंद नहीं की थी। रास्ते में पीड़ित ने डिक्की खोली और कूदकर जान बचाई। **मोदीनगर** |बिसोखर रोड पर बुधवार को दिनदहाड़े सीमेंट कारोबारी अचल सिंहल (24) का हथियार बंद तीन बदमाशों ने अपहरण कर लिया। वैगनआर कार की डिग्गी में अचल को बंदकर मेरठ की तरफ चल दिये। गनीमत रही कि डिग्गी लाक नहीं हुई, अचल ने कूदकर जान बचाई। शोर मचाने पर आरोपित भाग निकले। वारदात से मोदीनगर के व्यापारी वर्ग में रोष है। व्यापारियों ने मोदीनगर कोतवाली पहुंचकर रोष जाहिर किया। चेतावनी दी यदि जल्द आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। पीड़ित वारदात के बाद से ही दहशत में है। कोतवाली क्षेत्र की संतपुरा कालोनी के शिवकुमार सिंहल कारोबारी हैं। उनके पास सीमेंट की एजेसी है। आसपास के क्षेत्र में सीमेंट की सप्लाई करते हैं। बिसोखर रोड के पास किराना की दुकान भी है। बेटा अचल सिंहल इन दिनों दुकान संभाल रहा है। अगले महीने ही उनकी शादी है। रोजाना की तरह वह सुबह नौ बजे दुकान पर जाने के लिए घर से निकलता। **पीड़ित को डिग्गी में किया बंद**: घर से सी मोटर की ही दूरी पर एक वैगन आर कार खड़ी थी। वहां पहुंचते ही कार से दो आरोपित निकले और अचल को पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। एक आरोपित ने डिग्गी खोली और पिस्टल के बल पर अचल को डिग्गी में बंद कर दिया। एक आरोपित चालक की सीट पर था।

गुरुग्राम में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, कॉलोनियों में डीटीपीई ने की तोड़फोड़ की कार्रवाई

डीटीपीई का अवैध निर्माण के खिलाफ तोड़फोड़ अभियान लगातार जारी है। मंगलवार को भी अलग अलग जगह पर कट रही अवैध कॉलोनियों पर तोड़फोड़ अभियान चलाया। गुरुग्राम गांव में डीटीपीई मनीष यादव के नेतृत्व में तो बेहरामपुर में डीटीपीई एक बिनेश कुमार के नेतृत्व में अवैध कॉलोनियों पर पीला पंजा चलाया गया। यह कॉलोनी अभी हाल ही में कटनी शुरू हुई थी।

नया गुरुग्राम। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की एम्फोसमेंट टीम के दो अलग अलग जिला नगर योजनाकार (डीटीपीई) की तरफ से अलग अलग जगह पर कट रही अवैध कॉलोनियों पर तोड़फोड़ अभियान चलाया। गुरुग्राम गांव में डीटीपीई मनीष यादव के नेतृत्व में तो बेहरामपुर में डीटीपीई एक

बिनेश कुमार के नेतृत्व में अवैध कॉलोनियों पर पीला पंजा चलाया गया। **हाल में कटनी शुरू हुई थी कॉलोनी**
डीटीपीई मनीष यादव के नेतृत्व में टीम ने गुरुग्राम गांव में अवैध कॉलोनी पर पीला पंजा चलाया जहां करीब 22 डीपीसी, एक पॉपटी डीलर ऑफिस, दो कॉलोनी के गेट, एक निर्माणाधीन स्ट्रक्चर को जमीनदो़ज कर दिया। इसके साथ की रोड नेटवर्क को भी खुरदबुरं कर दिया गया। यह कॉलोनी अभी हाल ही में कटनी शुरू हुई थी। इसे लेकर विभाग के पास शिकायते भी पहुंच रही थी। इस कार्रवाई के दौरान डीटीपीई मनीष यादव के अलावा, एटीपी दिनेश सिंह, जूनियर इंजीनियर राजन, फील्ड टेक्नीशियन प्रशांत मौजूद रहे। इसके अलावा डीटीपीई एक बिनेश कुमार के नेतृत्व में टीम

बेहरामपुर गांव पहुंची जहां करीब तीन एकड़ के अवैध कॉलोनी कट रही थी। **रोड नेटवर्क को भी ध्वस्त किया गया**
इसमें टीम ने चार डीपीसी, दो निर्माणाधीन स्ट्रक्चर, प्लाटों की चारदीवारी और पूरे कॉलोनी के रोड नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान डीटीपीई ने उपस्थित लोगों से अपील की कि अवैध कॉलोनियों में अपनी जमापूंजी का निवेश न करें। इन अवैध कालोनियों में तोड़फोड़ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। कोई भी खरीद फरोख्त करने से पहले विभाग से संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस कार्रवाई के दौरान डीटीपीई बिनेश कुमार के अलावा, फील्ड टेक्नीशियन शुभम शर्मा, जीएमडीए के कार्यकारी अभियंता क्रिष्ण सिंह बतौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट मौजूद रहे।

छह महीने घर में बंधक रही किशोरी से हैवानियत के मिले सबूत, कुत्ते से कटवाया और नग्न अवस्था में बनाया था वीडियो

किशोरी को बंधक बनाने के मामले में चार दिन बाद भी आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं की गई है। सेक्टर-51 महिला थाना प्रभारी ने कहा कि मामले में सबूत मिले हैं। आरोपित महिला को जांच में शामिल किया गया है। वहीं किशोरी की मां ने गुरुग्राम पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। छह महीने से बंधक बनी घरेलू सहायिका किशोरी को शुक्रवार को छुड़ाया था।

गुरुग्राम |किशोरी को बंधक बनाने के मामले में चार दिन बाद भी आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं की गई है। सेक्टर-51 महिला थाना प्रभारी ने कहा कि मामले में सबूत मिले हैं। आरोपित महिला को जांच में शामिल किया गया है। वहीं, किशोरी की मां ने गुरुग्राम पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। शुक्रवार रात सेक्टर-57 स्थित एक घर से छह महीने से बंधक बनी घरेलू सहायिका किशोरी को पूर्व मेजर मनोहर लाल की

फैमिली और किशोरी की मां ने छुड़ाया था। किशोरी की मां ने महिला व उसके दोनों बेटों पर गंभीर आरोप लगाए थे। **खाना नहीं देते, फर्श पर सुलाते**
उन्होंने थाना पुलिस को बताया था कि किशोरी के साथ काफी बुरा बर्ताव किया गया। उसे कुत्ते से कटवाया जाता था, हथौड़ी से मारा गया। खाना न देने, फर्श पर सुलाने, नग्न अवस्था में वीडियो बनाने जैसे आरोप भी लगाए थे। वहीं, मंगलवार को किशोरी को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस दौरान दैनिक जागरण ने भी किशोरी से बातचीत की। किशोरी ने अपने साथ काम के



दौरान रोंगटे खड़े कर देने वाली हैवानियत होने की कहानी दोहराई। उसने कहा कि पहला महीना तो ठीक रहा था। उसके बाद से उसका जीना हुराम हो गया है। हर दिन उससे मारपीट की जाती थी। एक समय खाना मिलता था। वहीं दोबारा भूख लगने पर जब खाना मांगती थी तो महिला

उसे पीटती थी। महिला ने उसके बाल उखाड़े दिए। अभी भी उसके सिर पर छोटे-छोटे बाल हैं। हाथ के पीछे वाले हिस्से पर तेजबा से जलने के निशान भी हैं। **किशोरी का कराया बोन टेस्ट**
एसीपी कठिया ने बताया कि मंगलवार को पीड़ित किशोरी की सरकारी अस्पताल से एमएलआर व डिस्चार्ज समरी प्राप्त की गई है। पीड़ित की उम्र के बारे में जानकारी के लिए ओसिफिकेशन टेस्ट कराया गया। रिपोर्ट में पीड़िता की उम्र 17 साल पाई गई है। डॉक्टर से मेडिकल ओपिनियन के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है। लेकिन दो डॉक्टर के बाहर होने पर होने की वजह से फाइनल ओपिनियन नहीं मिला है। बुधवार को इस मामले को फाइनल मेडिकल रिपोर्ट मिलेगी।

गूगल पर निर्भर होते जा रहे हैं छात्र, सामान्य ज्ञान की भी है कमी, क्या ऐसे ही हम बनेंगे विश्व गुरु?

उमेश चतुर्वेदी
उन छात्रों से जब सामान्य ज्ञान या समकालीन विषयों से कुछ सवाल पूछा तो उनका एक ही जवाब था, सर, गूगल तो है ना..अंतर इतना था कि किसी की आवाज धीमी रही तो किसी को थोड़ी तेज। मुझे करीब आठ साल पहले का एक वाकया याद आ गया।

हाल ही में एक बड़े सरकारी मीडिया संस्थान में इंटरनशिप कर रहे छात्रों से मुखातिब होने का मौका मिला। संस्थान ने योजना शुरू की है..इंटरनशिप के लिए आए छात्रों को हर हफ्ते कुछ सत्र विषय विशेषज्ञों से मिलाना और उनका व्याख्यान कराना। इसी सिलसिले में मुझे भी बुलावा मिला। मेरी एक आदत है। मीडिया के छात्रों से मिलते ही उनकी पढ़ाई-लिखाई के साथ ही उनके पसंदीदा अखबार-पत्रिका, टीवी कार्यक्रम आदि की जानकारी प्राप्त करना मेरी आदत में शुमार है। लगे हाथों कुछ सामान्य ज्ञान और समकालीन विषयों से जुड़ी जानकारीयों को लेकर पूछताछ भी कर लेता हूं। सो, इस बार भी वैसा ही किया। मीडिया के छात्रों के जवाब आश्चर्यजनक रहे। किसी की आदत में अखबार पढ़ना शामिल नहीं था। ना अंग्रेजी का, ना ही हिंदी का। यहां यह जान लेना होगा कि इंटरनशिप कर रहे छात्रों में तकरीबन पूरे भारत का प्रतिनिधित्व था। इलाहाबाद, मोतिहारी, बैंगलुरु, मुंबई, भोपाल, चंडीगढ़ जैसी जगहों के एक-एक या दो-दो छात्र थे। दिल्ली के एक प्रतिष्ठित पब्लिक कॉलेज की छात्रा भी इंटरन के उस समूह में शामिल थी। बैंगलुरु वाले छात्र तो वहां के एक प्रतिष्ठित कॉलेज के एक प्रमुख तत्व हैं। यूनिवर्सिटी बन गया है। किसी को नियमित रूप से अपने इलाके के अखबार पढ़ने की आदत नहीं थी। किसी खबरिया चैनल का कोई प्रोग्राम भी उनका रहती नहीं था। अलबत्ता सभी मीडिया के ही

छात्र थे। उन छात्रों से जब सामान्य ज्ञान या समकालीन विषयों से कुछ सवाल पूछा तो उनका एक ही जवाब था, सर, गूगल तो है ना..अंतर इतना था कि किसी की आवाज धीमी रही तो किसी को थोड़ी तेज। मुझे करीब आठ साल पहले का एक वाकया याद आ गया। तब मैं एक टीवी चैनल का मध्यक्रम का पत्रकार था। शुरुआती स्तर के लिए पत्रकारों की जरूरत थी। इसलिए उन दिनों दिल्ली के कुछ छात्रों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था। साक्षात्कार के दौरान एक लड़की से जब सामान्य जानकारी से जुड़े कुछ सवाल पूछे गए तो उनका वह जवाब तक नहीं दे पाई। वह भी दिल्ली के किसी प्रतिष्ठित कॉलेज की छात्रा रह चुकी थी। जब उसके कॉलेज की प्रतिष्ठा की याद दिलाई गई तो उसने तपाक से जवाब दिया था, सर गूगल है न..जरूरत पड़ी तो उससे किसी भी सवाल का जवाब पूछ सकते हैं। पत्रकारिता के प्रोफेशन में आने वाले लोगों से उम्मीद की जाती है कि उनका सामान्य ज्ञान, उनकी भाषा और उनकी सोच औरों से बेहतर होगी। बेशक वे किसी एक विषय के अगाध विद्वान ना हों, लेकिन कम से बुनियादी स्तर का उनके पास बाकियों की तुलना में ज्यादा ज्ञान होगा। लेकिन अब स्थितियां बदल रही हैं। उनसे उम्मीद की जाती है कि कम से कम दो या दो से ज्यादा अखबार वे नियमित रूप से पढ़ेंगे। टेलीविजन के किसी विशेष चैनल आदि के समाचार आधारित कार्यक्रम जरूर देखेंगे। लेकिन अब ऐसे हालात नहीं रहे। वैसे तो टेलीविजन चैनल देखकर आप अपना सामान्य ज्ञान उस स्तर तक अपडेट नहीं कर सकते, जैसे अखबार पढ़कर या किसी वेबसाइट को पढ़कर। टेलीविजन चैनल तो चमत्कार, कुकुरझोंझ और हंगामे के प्रतीक बन चुके हैं। तमशाश कल्चर उनका प्रमुख तत्व है। रही बात आज के दिग्गज यूट्यूबर्स की, तो वे पत्रकार कम, पक्षकार ज्यादा हैं। उनकी अपनी पसंद और ना पसंद उनके यूट्यूब चैनल पर हावी रहती है।



आज कल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की खूब चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि इससे पत्रकारिता की नौकरियां खत्म हो जाएंगी। लेकिन सवाल यह है कि इस स्थिति को लाने में क्या पत्रकारिता का योगदान नहीं है? निश्चित तौर पर इसका भी योगदान है और इसके सबसे बड़ी वाहक बनी हैं पत्रकारिता की शिक्षा और समाचार चैनलों की सौंदर्यशास्त्रीयता से युक्त कुकुरझोंझ। तकनीक और संचार के विकास ने पत्रकारिता की

दुनिया को आसान बनाया है। लेकिन यह आसानी बढ़ते-बढ़ते मेधा को पंगु करने तक पहुंच गई है। एक तरह से अब इंटरनेट पर निर्भरता बढ़ गई है। यह निर्भरता अब कक्षाओं में भी दिखने लगी है। जिन कक्षाओं में फोन रखना संभव है, उन कक्षाओं में अध्यापक या प्रोफेसर का व्याख्यान शुरू हुआ नहीं कि छात्र गूगल कर खोल बैठ जाते हैं और प्रोफेसर के ज्ञान को सर्च इंजन में डाल जांचने लगते हैं।

पत्रकारिता के छात्रों को पढ़ाने के अवसर मुझे अक्सर मिलते रहते हैं। लेकिन मैं छात्रों से उस वक्त कड़ाई से पेश आता हूं। सबका फोन बंद करा देता हूं, इस सुझाव के साथ कि मेरे द्वारा दी गई जानकारी को नोट करें और उसकी सत्यता की जांच बाद में करें। कक्षा में व्याख्यान के साथ गूगल को चलाने से छात्र कक्षा में अपना ध्यान नहीं लगा पाता और अध्यापक का भी ध्यान भंग होता है। तकनीक का विस्तार पूरी दुनिया में हुआ है। संचार

क्रांति भी पूरी दुनिया में आई है। लेकिन जिन्हें अब विकसित देश मानते हैं, जो समृद्धि में हमसे कोसों आगे हैं, जिन्होंने ज्ञान आधारित समाज बनाया है, वहां कक्षाओं में फोन और गूगल पर बंदिश है। लेकिन हमारी व्यवस्था ठहरी अति लोकातांत्रिक, अगर ऐसी बंदिशें यहां लगाई जाएं तो सोशल मीडिया के दौर में हंगामा हो सकता है, सवाल उठ सकता है। ऐसे में छात्र बला क्यों ध्यान लगाने लगे। वे फिर कहेंगे ही, गूगल तो है ना।

नए ब्रांड पर जताएं भरोसा या केटीएम है सही विकल्प ? खरीदने से पहले जान लीजिए

Aprilia RS 457 की डिजाइन RS 660 से प्रेरित है। इसके फ्रेम में एक स्लिम एलईडी हेडलैंप और एलईडी डेटाइम रनिंग लैंप और एक क्लीन-अपस्वेप्ट रियर सेक्शन है। फीचर्स की बात करें तो दोनों मोटरसाइकिलें ट्रैक्शन कंट्रोल एलईडी लाइटिंग राइड-बाय-वायर डुअल-चैनल एबीएस और एक टीएफटी स्क्रीन के साथ आती हैं। आइए इन दोनों बाइक्स के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। Aprilia ने अपनी बहुप्रतीतिशत बाइक RS 457 को इंडिया बाइक वीक में लॉन्च कर दिया है। भारतीय बाजार में यह KTM RC 390 को सीधी धक्का देने वाली है। अगर आप इन दोनों में किसी एक को खरीदना चाहते हैं, तो अपने सेरु लेख में हम आपके लिए इससे संबंधित कुछ जानकारी लेकर आए हैं।

Aprilia RS 457 की डिजाइन RS 660 से प्रेरित है। इसके फ्रंट में एक स्लिम एलईडी हेडलैंप और एलईडी डेडलाइट रिंग लैंप और एक कालीन-अस्पेक्ट्रिय रियर-सेक्शन है। इसमें क्लिप-ऑन हैंडलबार और रियर-सेट फुटपेग हैं, जो राइड को एक आक्रामक राइडिंग ट्रायंगल प्रदान करते हैं। वहीं, KTM RC 390 की डिजाइन लैंग्वेज आपको आकर्षक लग सकती है।

कैटोपेग का कहना है कि आरसी 390 उसकी मोटीजोपी मोटरसाइकिल से प्रेरित है।

इंजन
Aprilia RS 457 में 457 सीसी, पैरेलल-ट्विन
इंजन का उपयोग किया गया है, जिसे 270-डिग्री क्रैंक
मिलता है। ये इंजन 48 बीएचपी व 44 एनएम उत्पन्न



करता है और स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ आता है। वहीं, KTM RC 390 में 373 cc सिंगल-सिलेंडर इंजन का उपयोग किया गया है, जो 43 bhp और 37 Nm उत्पन्न करता है। यह स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच और क्विकशिफ्टर के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ

आता है।
फीचर्स और स्पेसिफिकेशन
 फीचर्स की बात करें तो दोनों मोटरसाइकिलें ट्रैक्शन कंट्रोल, एलईडी लाइटिंग, राइड-बाय-वायर, डुअल-चैनल एबीएस और एक टीएफटी स्क्रीन के साथ आती हैं। अप्रिलिया में राइडिंग मोड, बैकलिट स्विच और

ट्रेक्शन कंट्रोल मोड भी मिलते हैं।
कीमत
 RC 390 हमेशा अपने वैल्यू-फॉर-मनी प्राइस के लिए जाना जाता है, क्योंकि इसकी कीमत 3.19 लाख एक्स-शोरूम है। वहीं, RS 457 की कीमत 4.10 लाख एक्स-शोरूम है।

2024 KTM 990 Duke से उठा पर्दा, जबरदस्त इंजन के साथ इन फीचर्स से लैस है ये लीटर क्लास बाइक

KTM ने EICMA 2023 में All New 990 Duke को पेश कर दिया है। इसका मुकाबला अन्य लीटर-क्लास नेकेड मोटरसाइकिलों से होगा। KTM 990 Duke को पावर देने वाला एक नया LC8c इंजन है जो यूरो 5+ के अनुरूप है। ये 947 सीसी पेरलल-ट्विन लिक्विड-कूल्ड इंजन है। KTM 990 Duke को पूरी तरह से नए स्टील ट्यूब फ्रेम के आसपास विकसित किया गया है।

नई दिल्ली IKTM ने EICMA 2023 में All New 990 Duke को पेश कर दिया है। इसका मुकाबला अन्य लीटर-क्लास नेकेड मोटरसाइकिलों से होगा। नई मोटरसाइकिल लाइनअप में 890 DUKE GP से ऊपर होगी। 990 ड्यूक का उत्पादन ऑस्ट्रिया के मैट्टीघोफेन में कटीएफ के मेन प्लांट में किया जाएगा। फिनाल, KTM की 990 Duke को भारतीय बाजारों में लॉन्च करने की कोई योजना नहीं है। आइए, इसकी सभी डिटेल्स के बारे में जान लेते हैं।

इंजन
2024 KTM 990 Duke को पावर देने वाला एक नया LC8c इंजन है, जो यूरो 5+ के अनुरूप है। ये 947 सीसी, पैरेलल-ट्विन लिक्विड-कूल्ड इंजन है। यह पावरट्रेन 9,500 आरपीएम पर 121 बीएचपी की अधिकतम पावर और 6,750 आरपीएम पर 103 एनएम का पीक टॉर्क आउटपुट देता है।

इसे 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है और राइडर क्लिकशिफ्टर का विकल्प भी चुन सकता है।

स्पेसिफिकेशन
KTM 990 Duke को पूरी तरह से नए स्टील ट्यूब फ्रेम के आसपास विकसित किया गया है। सबमैक्स एक एल्यूमीनियम डाइकास्ट भाग है, जिसमें सीट के नीचे एक एकीकृत एयरबॉक्स और एयर इंटेक होता है। इसके अलावा, स्विंगआर्म भी नया है और ट्रिपल क्लैंप जाली एल्यूमीनियम से बना है। 990 ट्यूब के पहिए 17 इंच के हैं और 1290 स्पर ट्यूब आर से लिए गए हैं, लेकिन दो तरफा स्विंगआर्म को शामिल करने के लिए थोड़ा आउट किया गया है। इन्हें मरफक के रूप में ब्रिजस्टोन S22 टायर दिए गए हैं।

डायमेशन

फ्रेम को सामने की ओर 43 मिमी WP एपेक्स ओपन कार्टिज फोक्स द्वारा सस्पेंड किया गया है, जिसमें 140 मिमी का टैटल है। ये कम्पेशन और रिबाउंड एडजस्टेबल के साथ आता है जिसे फोक्स के शॉर्ष पर मौजूद विलकर्स के माध्यम से किया जा सकता है। पीछे की तरफ, एक WP एपेक्स मोनोशॉक है, जिसे रिबाउंड के लिए 5-विलक सेंटिंग और मैनुअल प्रीलोड एडजस्टमेंट के माध्यम से एडजस्ट किया जा सकता है।

Mercedes-Benz India जनवरी 2023 से अपनी इन लक्जरी कारों के बढ़ाएगी दाम

मर्सिडीज ने अब कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा करने वाली नवीनतम कंपनी है। देश के कई अन्य प्रमुख कार निर्माताओं ने भी आपने उत्पादों को महंगा करने की सूचना दी है। निर्माता ने बताया है कि बढ़ोतरी GLS के लिए 2.6 लाख रुपये से लेकर टॉप-एंड मॉडल Mercedes Maybach S 680 के लिए 3.4 लाख रुपये तक होगी। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली Mercedes-Benz India ने बुधवार को घोषणा करते हुए कहा है कि वह 1 जनवरी 2024 से अपने कुछ लक्ष्य कार मॉडलों की कीमतों में 2 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। हालांकि कंपनी ने उन मॉडलों की पूरी सूची नहीं दी है, जिनकी कीमत में बढ़ोतरी होगी। निम्नांता में बताया है कि बढ़ोतरी GLS के लिए 2.6 लाख रुपये से लेकर टॉप-एंड मॉडल Mercedes Maybach S 680 के लिए 3.4 लाख रुपये तक होगी।

Mercedes के साथ इन कंपनियों ने बढ़ाए दाम
मर्सिडीज अब कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा करने वाली नवीनतम कंपनी है। देश के कई अन्य प्रमुख कार निर्माताओं ने भी अपने उत्पादों को महंगा करने की सूचना दी है। ये सभी कार कंपनियां अगले साल

जनवरी माह में ग्राइस हाइक करने वाली हैं। दाम बढ़ाने वाली कंपनियों में Maruti Suzuki, Hyundai, Ajeep, Deep India और Kia जैसे नाम शामिल हैं।

कंपनी ने क्या कहा ?

एक प्रेस बयान में, मर्सिडीज ने बढ़ोतरी को मूल्य सुधार के रूप में संदर्भित किया है। कंपनी ने लगातार बढ़ रहे इंप्लेशन को इस बढ़ोतरी का बड़ा कारक बताया है।

मर्सिडीज ने एक बयान में कहा-

इन कारों के संयोजन ने मर्सिडीज-बेंज इंडिया को अपने चुनिंदा मॉडलों की एक्स-शोरूम कीमत में बढ़ोतरी करने के लिए प्रेरित किया है, जिससे कंपनी और उसके फ्रेंचाइजी पार्टनरों के लिए लाभकारी व्यवसाय बनाए रखने के लिए इनमें से कुछ लागतों की भरपाई का जाल सके। जबकि कंपनी इन लागतों को प्रमुख रूप से वहन करती है, इसका एक छोटा सा हिस्सा बाजार को दिया जाएगा।

हालांकि, कंपनी का कहना है कि उसकी वित्त-संबंधी सेवाएं सरल खरीदारी अनुभव के अनुसूची बनी हुई हैं। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के एमडी और सीईओ संतोष अग्रवर ने कहा-

एमबीएफएस (मर्सिडीज-बेंज फाइनेंस सर्विस) से हमारे अनुसूचित वित्तपोषण समाधान, ग्राहकों के लिए स्मार्टव्हेल को इष्टतम लागत सुनिश्चित करेंगे, जिसका प्रभाव न्यूनतम होगा।



भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में इन टॉप-5 कार ब्रांड्स का है दबदबा, मार्केट में आते ही छा गई ये कोरियन कार कंपनी



Maruti Suzuki देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी है। यही कारण है कि अमूमन हर ट्रैफिक सिग्नल पर हमें 10 में 4-6 कारें मारुति की नजर आती हैं। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता भारतीय ऑटो बाजार में 41.6 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखती है। वहीं किआ 2019 में सेल्टोस के साथ भारत आइ और सबसे बेहद कम समय में भारतीय बाजार में अंदर अपनी पहचान बनाई है।

नई दिल्ली। बीते त्योहारी सीजन में भारतीय कार बाजार के अंदर जमकर खरीदारी हुई है। इस दौरान लोगों के पास फेस्टिव

डिस्कॉन्ट के साथ अपनी मनपसंद कार खरीदने का सुनहरा मौका था। हर साल की तरह, भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग ने भी इस सीजन का भरपूर फायदा उठाते हुए कुल 3,90,853 यूनिट सेल की है।

अपने इस लेख में हम आपके लिए देश की टॉप-5 कार कंपनियों की लिस्ट लेकर आए हैं, जिन्होंने इंडियन मार्केट में अपना दबदबा कायम कर रखा है।

Maruti Suzuki
Maruti Suzuki देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी

है। यही कारण है कि अमूमन हर ट्रैफिक सिग्नल पर हमें 10 में 4-6 कारों मारुति की नजर आती है। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता भारतीय ऑटो बाजार में 41.6 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखती है।

Hyundai
भारत के टॉप-5 कार ब्रांड्स की इस सूची में दूसरे स्थान पर Hyundai है। कोरियाई निर्माता ने पिछले दो दशकों में Santro, i10, i20, Verna और Creta जैसी कारों के साथ भारतीय बाजार में मजबूत छाप छोड़ी है। आज, हंडई के पास

भारत में 14.6% की बाजार हिस्सेदारी है।

Tata Motors
टाटा ने पिछले पांच सालों में खुद को पूरी तरह से नया रूप दिया है। ट्रकों और बसें को निर्माण करने के लिए मशहूर इस ब्रांड ने देश के टॉप-5 कारमेकर को लिस्ट में अपनी जगह बनाई है। मौजूदा समय में भारत में इसकी बाजार हिस्सेदारी 13.9 प्रतिशत है।

Mahindra
टाटा की तरह, महिंद्रा ने भी गुणवत्ता देशी कार कंपनी का

गौरव हासिल किया है। मौजूदा समय में Mahindra की ओर से प्रीमियम SUVs पेश की जाती हैं और भारत में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी लगभग 8.9% है।

Kia
हुंडई की सहयोगी ब्रांड किआ 2019 में सेल्टोस के साथ भारत आई और उसने बेहद कम समय में भारतीय बाजार में अंदर अपनी पहचान बनाई है। किआ भारतीय कार बाजार में 6.7% हिस्सेदारी हासिल करने में कामयाब रही है, जो इतने युवा ब्रांड के लिए काफी अभूतपूर्व है।

फेक बैंक कर्मचारियों से रहे सावधान, आईसीआईआई बैंक ने ग्राहकों के लिए शेयर किए सेफ्टी टिप्स

ICICI Bank ने ग्राहकों की ऑनलाइन सेफ्टी के लिए टिप्स शेयर किए हैं। बैंक का कहना है कि स्कैमर्स इन दिनों काफी प्रोफेशनल तरीके से धोखाधड़ी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। ग्राहकों के लिए सेफ्टी टिप्स शेयर करते हुए कहा कि किसी भी ऐसे कॉल से सावधान रहें जिसमें कर्मचारी आपसे निजी जानकारी पूछते हैं। ये जानकारी आपसे बैंक खाते सीज करने के लिए मांगे जाते हैं।

नई दिल्ली। ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी की बात करें तो इन दिनों ये काफी प्लानिंग और प्रोफेशनल तरीके से की जा रही हैं। लोगों ने उनकी निजी जानकारी चुराने के लिए स्कैमर्स कभी अधिकारी तो कभी बैंक कर्मचारी बनकर बात करते हैं। स्कैमर्स कभी भी आपको अचानक से कॉल करके निजी जानकारी नहीं मांगते हैं। वे किसी न किसी बहाने से यूजर्स से ऐसी जानकारी मांगते हैं जिससे वे आपके बैंक खाते से पैसा निकाल सकते हैं।

ICICI ने जारी की एडवायजरी ऑनलाइन स्कैमर्स से ग्राहकों को बचाने के लिए आईसीआईसीआई बैंक ने एडवायजरी जारी की है। बैंक का कहना है कि किसी भी ऐसे कॉल से सावधान रहें जिसमें कर्मचारी आपसे निजी जानकारी पूछते हैं। ये जानकारी आपका अकाउंट फ्रीज करने के लिए मांगी जाती है। यहां



हम आपके साथ बैंक ने ग्राहकों के लिए जारी की एडवायजरी शेयर कर रहे हैं। ICICI Bank कभी भी ग्राहकों ने ऑनलाइन अकाउंट डिटेल्स जैसे वन टाइम पासवर्ड (ओटीवी), डेबिट या क्रेडिट कार्ड का नंबर या फिर सीवीवी जिसमें कर्मचारी आपसे निजी जानकारी पूछते हैं। ये जानकारी आपका अकाउंट फ्रीज करने के लिए मांगी जाती है। यहां

हैं। बैंक के पास केवाईसी के दौरान ये सभी जानकारी उपलब्ध होती है। बैंक कभी भी ग्राहकों को किसी दूसरे अकाउंट में पैसा जमा करने के लिए नहीं कहता है। कभी भी आपको इस तरह की कॉल मिले तो आप तुरंत कॉल डिस्कनेक्ट कर लें। बैंक डिटेल्स पर रहती हैं स्कैमर्स

की नजर स्कैमर्स की नजर आपके बैंक खाते से जुड़ी डिटेल्स पर रहती है, जिससे वे बैंक अकाउंट को फ्रीज कर सकते हैं। कभी भी स्कैमर्स के साथ पर्सनल इन्फॉर्मेशन शेयर न करें। बैंक डिटेल्स लीक हो जाए तो क्या करें अगर आपने गलती से डिटेल्स

स्कैमर्स के साथ शेयर कर दी हैं और बैंक में जमा पैसा चुरा लिया है तो आपको नेशनल साइबर फ्राइम से संपर्क करना होगा। इसके लिए आप हेल्पलाइन नंबर 1930 में कॉन्टेक्ट कर सकते हैं। इसके साथ ही आपको किसी भी अनजान के साथ अपनी बैंकिंग डिटेल्स शेयर करने से बचना चाहिए।

इनसाइड दीवाली के बाद महंगा हुआ सोना-चांदी, जानिए आपके शहर में क्या है लेटेस्ट रेट

देश में आज सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त देखने को मिली है। पिछले दिनों देश में धनतेरस और दिवाली के दिन गोल्ड की डिमांड बढ़ गई थी ऐसे में इनकी कीमतों में नरमी देखने का मिली है। अगर आप गोल्ड खरीदने का सोच रहे हैं तो आपको अपने शहर में सोने की कीमतों के बारे में जान लीजिए।

नई दिल्ली। दिवाली के बाद सोने और चांदी की कीमतों में बढ़ाव देखने को मिली है। जबकि, दिवाली और धनतेरस के मौके पर इनकी कीमतों में नरमी देखने को मिली थी। अगर आप सोना या चांदी खरीदने का सोच रहे हैं तो आपको एक बार अपने शहर में गोल्ड और लेटेस्ट रेट क्या है? महंगा हुआ सोना आज वायदा कारोबार में सोने की कीमत 310 रुपये बढ़कर 60,375 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मल्टी क्मोडिटी एक्सचेंज पर, दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 310 रुपये या 0.52 प्रतिशत बढ़कर 60,375 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 9,897 लॉट का कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में सोना वायदा 0.45 प्रतिशत बढ़कर 1,975.30 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया।

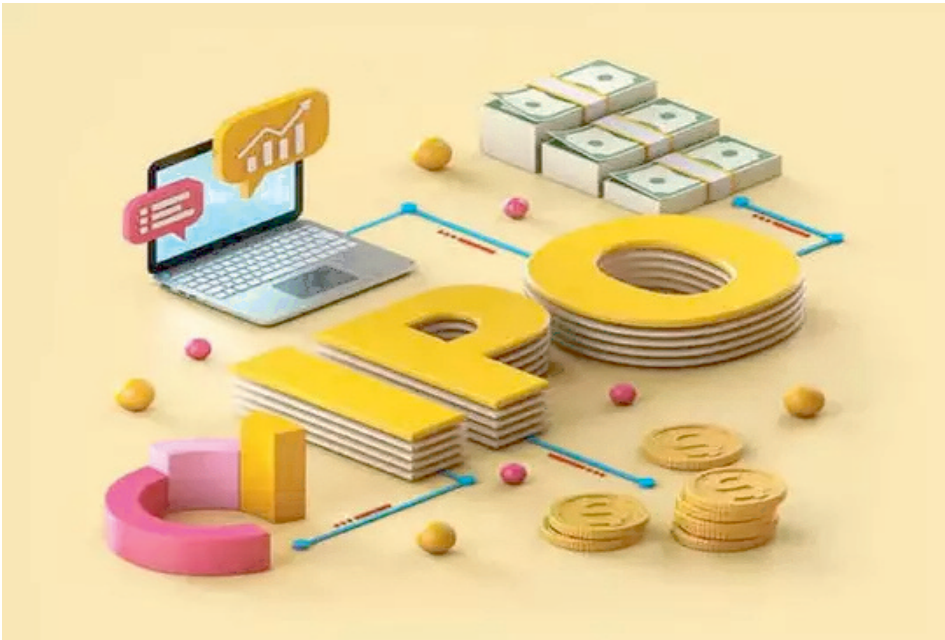
चांदी के दाम चढ़े बुधवार को वायदा कारोबार में चांदी की कीमत 598 रुपये बढ़कर 72,191 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, क्योंकि मजबूत हाजिर मांग के कारण प्रतिभागियों ने अपने सौदे बढ़ा दिए। मल्टी क्मोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 598 रुपये या 0.84 प्रतिशत बढ़कर 18,241 लॉट में 72,191 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 1.01 प्रतिशत बढ़कर 23.37 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। आपके शहर में क्या है सोने की कीमत दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 61,190 रुपये है। नोएडा में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 61,190 रुपये है। मुंबई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 61,040 रुपये है। चैन्नई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 61,580 रुपये है। कोलकाता में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 61,090 रुपये है। सूरत में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 61,090 रुपये है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 61,090 रुपये है। लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 61,090 रुपये है।

कंपनी के आईपीओ को मिला शानदार रिस्पॉन्स, सब्सक्रिप्शन खुलने के कुछ ही घंटों में फुल हुआ ऑफर

डोम्स इंडस्ट्रीज की आईपीओ आज बाजार सदस्यता के लिए खुला और कुछ ही घंटों में पूरी तरह से सब्सक्राइब हो गया। एनएसई पर दोपहर 124 बजे तक उपलब्ध ऑफर्डों के अनुसार 1200 करोड़ रुपये के आईपीओ को 8837407 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 27623106 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं जो सदस्यता राशि का 3.13 गुना है।

नई दिल्ली। स्टशनी और आर्ट प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी डोम्स इंडस्ट्रीज (DOMS Industries IPO) का आईपीओ आज बाजार में सब्सक्रिप्शन के लिए खुला और कुछ ही घंटों के अंदर पूरा सब्सक्राइब हो गया। निवेशकों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया एनएसई पर 13:24 बजे तक उपलब्ध ऑफर्डों के अनुसार, 1,200 करोड़ रुपये के आईपीओ को ऑफर पर 88,37,407 शेयरों के मुकाबले 2,76,23,106 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं, जो 3.13 गुना सब्सक्रिप्शन है।

किसने कितना किया सब्सक्राइब ? खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (RII) ने 11.74 गुना सब्सक्रिप्शन किया, गैर-संस्थागत निवेशकों ने 3.51 गुना



सब्सक्रिप्शन किया, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) ने 1 फ्रीसडी सब्सक्राइब किया। **क्या है आईपीओ ऑफर ?** कंपनी का आईपीओ 13 दिसंबर से 15 दिसंबर तक के लिए खुला है। इस आईपीओ के लिए कंपनी ने 750 रुपये से 790 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। कुल आईपीओ साइज 1200 करोड़ रुपये है। निवेशकों को इसमें कम से कम 13,500 रुपये निवेश करना

होगा। यह आईपीओ 350 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 850 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल है। आईपीओ से पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 538 करोड़ रुपये जुटाए हैं। **कंपनी कहां करेगी पैसों का इस्तेमाल ?** कंपनी ने बताया कि आईपीओ के जरिए जुटाए पैसों का उपयोग लेखन उपकरणों, वॉटरकलर पेन, मार्कर और

हाइलाइटर्स की एक सीरीज के साथ-साथ सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए कंपनी की उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करने के लिए एक नई विनिर्माण प्लांट स्थापित करने के लिए किया जाएगा। आपको बता दें कि जेएम फाइनेंशियल, बीएनपी पारिवा, आईसीआईसीआई सिन्क्योरिटीज और आईआईएफएल सिन्क्योरिटीज इस आईपीओ के लीड मैनेजर हैं।

15 दिसंबर नहीं अब इस दिन तक करवा सकते हैं फ्री में आधार अपडेट, UIDAI ने दी नई जानकारी

परिवहन विशेष न्यूज अगर आपको आधार कार्ड अपडेट करना है तो अब आप फ्री में ऐसा कर सकते हैं। हाल ही में यूआईडीएआई (UIDAI) ने बताया कि फ्री में आधार अपडेट की समय सीमा तीन महीने और बढ़ा दी गई है। नई जानकारी के मुताबिक अब आप आधार कार्ड को 3 महीने के लिए बढ़ा दिया गया है।

नई दिल्ली। Free Aadhaar Update। अगर आपके पास आधार कार्ड है और उसमें आपको कुछ अपडेट करवाना है तो अब आप फ्री में उसे अपडेट कर पाएंगे। हाल ही में UIDAI ने सूचना देते हुए बताया की फ्री में आधार अपडेट करवाने की तारीख और 3 महीने के लिए बढ़ा दी गई है। **अब क्या है नई समय सीमा ?**

फ्री में आधार अपडेट करवाने की तारीख वर्तमान में 15 दिसंबर तक थी जिसे अब तीन महीने के लिए बढ़ाकर 14 मार्च 2024 कर दिया गया है। आप myAadhaar पोर्टल के माध्यम से फ्री में बदल सकते हैं। हालांकि आधार सेवा केंद्र पर इसके लिए 50 रुपये का शुल्क लिया जाएगा। **फ्री में क्या-क्या हो सकता है अपडेट ?** अगर आप यह सोच रहे हैं कि आप myAadhaar पोर्टल के माध्यम से अपने आधार कार्ड पर फ्री में क्या अपडेट कर सकते हैं तो आपको बता दें कि आप फ्री में अपना पता और डॉक्यूमेंट को अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा फोन नंबर, बायोमेट्रिक सहित अन्य चीजों को अपडेट करने के लिए आपको आधार सेवा केंद्र जाना ही होगा। **ऑनलाइन कैसे होगा दस्तावेज जमा ?** सबसे पहले आप <https://myaadhaar.uidai.gov.in/> वेबसाइट पर जाएं। इसके बाद Document

Update के ऑप्शन पर क्लिक करें। क्लिक करने के बाद आपको What To Submit सेक्शन दिखाई देगा। आप इसपर क्लिक कर दें। इसके बाद आप ये देख पाएंगे की आप किन डॉक्यूमेंट्स को सब्मिट कर सकते हैं। इसके बाद अब नीचे Click to Submit पर जाएं। इसके बाद आप अपना आधार नंबर, कैप्चा कोड और OTP डाल कर क्लिक कर दें। इसके बाद 'Document Update' पर क्लिक करें। फिर आपको अपनी डिटेल्स को वेरिफाई कर हाइपरलिंक पर क्लिक करना होगा। इसके बाद आप डॉप डाउन लिस्ट से पहचान प्रमाण और पता प्रमाण के दस्तावेजों को सेलेक्ट करना होगा। इसके बाद आप अपने एड्रेस की कॉपी को स्कैन कर सब्मिट ऑप्शन पर क्लिक करें। इसके बाद आपके पास 14 अंकों का अपडेट रिक्वेस्ट नंबर (URN) जेनरेट हो जाएगा।



डॉलर के मुकाबले फिर कमजोर होकर खुला रुपया, इतने पैसे टूटकर कर रहा कारोबार



डॉलर के मुकाबले रुपया 1 पैसे गिरकर 83.38 पर आ गया। कच्चे तेल की गिरती कीमतों और बढ़ती खुदरा मुद्रास्फीति के साथ-साथ नरम रुख के कारण रुपये पर असर पड़ा है। विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 83.39 पर खुला और डॉलर के मुकाबले मामूली बढ़त के साथ 83.38 पर कारोबार कर रहा था जो पिछले बंद से 1 पैसे कम है।

नई दिल्ली। आज शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 1 पैसे गिरकर 83.38 पर आ गया। विदेशी मुद्रा विश्लेषकों के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, बढ़ती खुदरा मुद्रास्फीति में नरम रुख के कारण रुपये पर असर पड़ा है। विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 83.39 पर खुला और डॉलर के मुकाबले थोड़ा बढ़कर 83.38 पर कारोबार कर रही थी, जो पिछले बंद से 1 पैसा कम है। मंगलवार यानी कल रुपया, डॉलर के मुकाबले 83.37 पर बंद हुआ था।

डॉलर इंडेक्स हुआ मजबूत 6 अन्य करेंसी की तुलना डॉलर से करने वाला डॉलर इंडेक्स 0.02 प्रतिशत बढ़कर 103.48 पर कारोबार कर रहा था। इसके अलावा वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड

वायदा 0.20 प्रतिशत गिरकर 73.09 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया था।

आरबीआई के अनुमान के अंदर ही महंगाई

कल जारी हुए आधिकारिक आंकड़े के मुताबिक देश में रिटेल महंगाई तीन महीने में सबसे अधिक बढ़कर नवंबर में 5.55 प्रतिशत हो गई है। हालांकि खुदरा महंगाई अभी भी आरबीआई के अनुमान 6 प्रतिशत के अंदर बनी हुई है। कल जारी हुए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण, बिजली और खनन क्षेत्रों के डबल डिजिट ग्रोथ के कारण अक्टूबर में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर बढ़कर 16 महीने के उच्चतम स्तर 11.7 प्रतिशत पर पहुंच गई।

गिरावट के साथ खुला बाजार बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 20.84 अंक या 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 69,530.19 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 5.15 अंक या 0.02 प्रतिशत बढ़कर 20,911.55 अंक पर पहुंच गया था। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने मंगलवार को पूंजी बाजार से 76.86 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

वित्त वर्ष 24 के डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के टारगेट को पार जाएगी सरकार: सीबीडीटी चेयरमैन



केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष नितिन गुप्ता ने कहा कि इस बार सरकार वित्त वर्ष 2024 के लिए निर्धारित 18.23 करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष कर संग्रह लक्ष्य को पार कर जाएगी। हाल ही में जारी शुद्ध प्रत्यक्ष कर राजस्व के अनुसार इस वित्तीय वर्ष में 1 अप्रैल से 9 नवंबर तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर राजस्व 22 प्रतिशत बढ़कर 10.6 लाख करोड़ रुपये हो गया।

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स (CBDT) के चेयरमैन नितिन गुप्ता ने बताया कि वित्त वर्ष 24 के लिए निर्धारित 18.23 लाख करोड़ रुपये के डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के टारगेट को इस बार सरकार पार कर जाएगी। **मोडिया से बात करते हुए नितिन गुप्ता ने बताया** हम बजट लक्ष्य को पार कर जायेंगे। अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है, और 15 दिसंबर तक अग्रिम कर संख्या की तीसरी किस्त आने के बाद हम पूरे साल के कर संग्रह

की बेहतर तस्वीर मिलेगी। **कितना रहा था नेट डायरेक्ट कलेक्शन ?** हाल ही जारी हुए नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के मुताबिक इस वित्त वर्ष में 1 अप्रैल से 9 नवंबर के बीच नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 22 प्रतिशत बढ़कर 10.60 लाख करोड़ रुपये हो गया है। **नितिन गुप्ता ने बताया** सकल आधार पर, प्रत्यक्ष कर संग्रह 17-18 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जबकि शुद्ध आधार पर, हम 22 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं। हम साथ-साथ रिफंड भी जारी कर रहे हैं। इसलिए, हमें अनुमान से अधिक कर संग्रह होने में कोई संदेह नहीं है। **कितने करोड़ का रिफंड हुआ जारी ?** ऑफर्डों के मुताबिक 1 अप्रैल से 9 नवंबर के बीच कुल 1.77 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए हैं। 2023-24 के बजट में प्रत्यक्ष कर संग्रह 18.23 लाख करोड़ रुपये आंका गया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 16.61 लाख करोड़ रुपये से 9.75 प्रतिशत अधिक है।

